



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 55] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 9, 1973/साघ 20, 1894

No. 55] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 9, 1973/MAGHA 20, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th February 1973

S.O. 83(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby orders that Brig. B. J. Shahaney, (Retd.) Chairman-cum-Managing Director, National Instruments Ltd., Calcutta, who is also an Officer on Special Duty in the Government of India in the Ministry of Industrial Development, shall act as the disciplinary authority for imposing the penalties specified in clauses (1) to (iv) of rule 11 of the said Rules, in respect of the persons appointed to Central Civil Posts included in the General Central Service Class II, General Central Service Class III and General Central Service Class IV who are on foreign service to that company.

[No. F.LE(1)-32(15)/67.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1973

क्र० आ० 83(अ).—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा यह आदेश देने हैं कि ब्रिगेडियर बी० जे० शाहनी, (सेवा निवृत्त) अध्यक्ष और प्रबन्ध-निदेशक, नेशनल इन्स्टिट्यूट्स लिमिटेड, कलकत्ता जो भारत सरकार के औद्योगिक विकास मन्त्रालय में विशेष कार्य अधिकारी भी हैं, साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2, साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 3 और साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 4 में सम्मिलित केन्द्रीय सिविल पदों पर नियुक्त ऐसे व्यक्तियों की बाबत, जो उस कम्पनी से बाह्य सेवा में हैं, उक्त नियमों के नियम 11 के खण्ड (1) से (4) तक में विनिर्दिष्ट शास्तियों को अधिरोपित करने के लिए अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० फा० एल० ई० (1)-32(15)/67]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।